



1

---

---

---

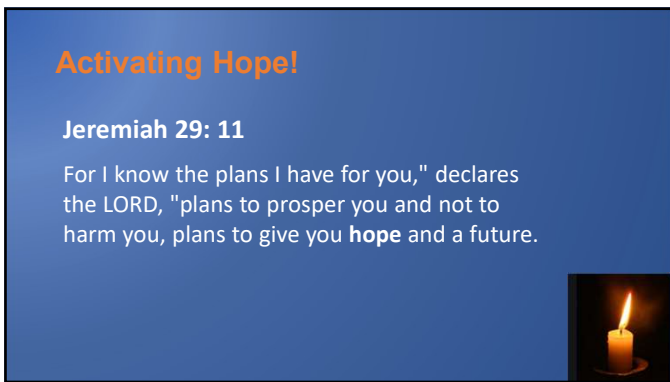
---

---

---

---

---



2

---

---

---

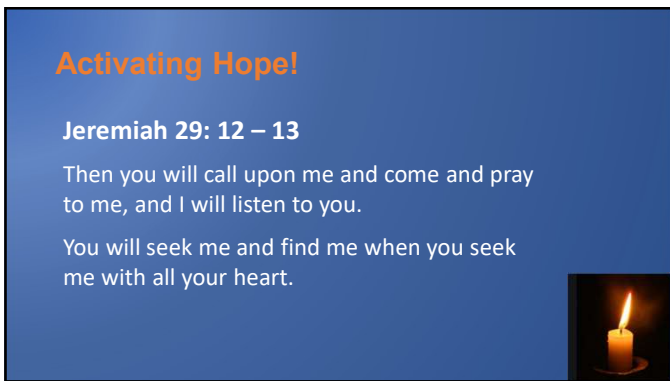
---

---

---

---

---



3

---

---

---

---

---


---

---

---

**Activating Hope!**

- The nature of Biblical hope
- The reason for hope
- Our response to the gift of hope



4

---

---

---

---

---


---

---

---

**Activating Hope!**

The nature of Biblical hope



5

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

The nature of Biblical hope

Romans 15:13 NLT

I pray that God, **the source of hope**, will fill you completely with joy and peace because you trust in Him. Then you will **overflow** with **confident hope** through the power of the Holy Spirit.



6

---

---

---

---

---


---

---

---

**Activating Hope!**

The reason for hope



7

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

The reason for hope

Hebrews 10:11 NLT

Under the old covenant, the priest stands and ministers before the altar day after day, offering the same sacrifices again and again, which can never take away sins.



8

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

The reason for hope

Hebrews 10:12 NLT

But our High Priest offered Himself to God as a single sacrifice for sins, good for all time. Then He sat down in the place of honour at God's right hand.



9

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**The reason for hope**

**Hebrews 10:13 - 14 NLT**

There He waits until His enemies are humbled and made a footstool under His feet. For by that one offering he forever made perfect those who are being made Holy.



10

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**Our response**

**Hebrews 10:19 - 20 NLT**

And so, dear brothers and sisters, we can boldly enter heaven's Most Holy Place because of the blood of Jesus. By His death, Jesus opened a new and life-giving way through the curtain into the Most Holy Place.



11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**Our response**

**Hebrews 10:21 - 22 NLT**

And since we have a great High Priest who rules over God's house, let us go right into the presence of God with sincere hearts fully trusting Him.



12

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

**Our response**

Hebrews 10:23 NLT

Let us hold tightly without wavering to the hope we affirm, for God can be trusted to keep His promise.



13

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

**Our response**

Hebrews 6: 19 -20

This hope is a strong and trustworthy anchor for our souls. It leads us through the curtain into God's inner sanctuary where our forerunner, Jesus, has entered on our behalf.



14

---

---

---

---

---

---

---


---

**Activating Hope!**

**Our response**

**May your choices reflect your hopes, not your fears.**

- Nelson Mandela



15

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**Our response: Prayer**

**Jeremiah 29: 12 – 13**

Then you will call upon me and come and pray to me, and I will listen to you.

You will seek me and find me when you seek me with all your heart.



16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**Our response: Answered Prayer**

**1 John 5: 14 - 15**

Now this is the confidence that we have in Him, that if we ask anything according to His will, He hears us. And if we know that He hears us, whatever we ask, we know that we have the petitions that we have asked of Him.



17

---

---

---

---

---

---

---

---

**Activating Hope!**

**Our response: A harvest**

**1 Peter 3:15**

....and always be ready to give a defence to everyone who asks you a reason for the hope that is in you, with meekness and fear.



18

---

---

---

---

---

---

---

---

## Activating Hope!

**Jude 1: 23 -24**

Now unto Him who is able to keep you from falling, and to present you faultless before the presence of His glory with exceeding joy, to the only wise God our Saviour, be glory and majesty, dominion and power, both now and ever. Amen.



---

---

---

---

---

---

---

---